शहर में आवारा मवेशी बने खतरा

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल, 19 जुलाई. शिक्षा, व्यापार और प्रशासनिक गतिविधियों का केंद्र बना भोपाल अब एक बड़ी समस्या से जूझ रहा है. शहर की सड़कों पर घूमते आवारा मवेशियों ने लोगों की परशानी बड़ा दी है.

ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि भोपाल में हर 13 मिनट में कोई न कोई सड़क हादसा इन मवेशियों की वजह से हो रहा है. खासकर वाहन चालक रात में इनसे टकरा जाते है. ये मवेशी सड़कों पर खड़े हो जाते हैं, जो लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है. आवारा मवेशियों के कारण लोगों को परशानी हो रही है. ये मवेशी वाहन चालकों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं. ये मवेशी दुकानदारों के लिए भी एक समस्या बन गए है. आए दिन ये मवेशी हाथ ठेलों पर रखी फल सब्जी खा लेते हैं या गिरा देते हैं. इससे दुकानदारों को नुकसान भी हो रहा है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर निगम की लापरवाही और समय पर कार्रवाई न होने से मवेशियों की समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है. पहले भी शहर में कई गंभीर हादसे हो चुके हैं, जिसमें जान-माल का भारी नुकसान हुआ है. फिर भी हालातों में कोई सुधार नहीं हुआ. शहरवासी अब प्रशासन और नगर निगम से मांग कर रहे हैं कि आवारा मवेशियों पर काबू पाने के लिए आप सख्त कदम कब उठाएंगे? कब सड़क सुरक्षित होगी और कब इन आवारा मवेशियों को अपना एक आवास मिलेगा ताकि भोपाल एक सुरक्षित शहर बनाया जा सके.

10 करोड़ के पौधे बने चारा

जूनियर रिपोर्टर

भोपाल. राजधानी में आए दिन प्रशासन और नगर निगम की लापरवाही के कारनामे सामने आते हैं. सरकार की बड़ी-बड़ी योजना और सरकारी धन लापरवाही के कारण बर्बाद हो जाता है. ऐसा ही एक मामला कोलार रोड इलाके का सामने आया है. कोलार सिक्स-लेन पर नगर निगम की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है. करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से 20 हजार पौधे लगाने का प्रोजेक्ट शुरू हुआ था, लेकिन पौधों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग या ट्री गार्ड की कोई व्यवस्था नहीं की गई. जिससे मवेशियों ने इसे अपना चारा समझ कर खा लिया. बारिश के बाद ठेकेदारों ने पौधे लगाए, लेकिन सुरक्षा की अनदेखी के चलते अब यह पौधे आवारा मवेशियों के लिए चारे का काम कर रहे हैं. सड़कों के डिवाइडरों पर लगाए गए पौधे मवेशियों द्वारा खा लिए गए और अब वहां सिर्फ सूखी ठूंठ दिखाई दे रही है. स्थानीय लोगों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च कर हरियाली बढ़ाने की योजना को लेकर नगर निगम कभी भी गंभीर नहीं हुआ. निगम अब कार्रवाई की बात कर रहा है, लेकिन पौधों की बर्बादी से सरकारी धन की बर्बादी पर सवाल उठ रहे हैं?

ग्राम नीलबड़ मे सुबह टहल रहे एक युवक को आवारा घूम रहे सांड़ ने घिरा दिया जिससे उसे हल्की चोट आई है. युवक का नाम विशाल सिंह है जो नीलबड़ में रहता है उसका कहना है कि सुबह शाम रास्ते पर मवेश घूमते रहते है जिससे आते जाते लोगो को परशानी होती है. ये मवेशी कई बार चार पहिया वाहन के सामने आ जाते है प्रशासन की लापरवाही के कारण आम जनता को एक दिन बड़े हादसे से गुजरना पड़े गा.

रोजाना कचरा उठाने नहीं आ रही गाड़ी

भोपाल. नेहरू नगर स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर के पास वार्ड क्रमांक 27 में कचरा उठाने कभी नगर निगम की गाड़ी आती है तो कभी नहीं आती जिसकी वजह से आये दिन लोगों को सड़क से निकलते वक्त बदबू और गन्दगी का सामना करना पड़ रहा है जो वह से गर्ने वालों के लिए समस्या बन चुका है. वार्ड दरोगा ने बताया गाड़ी प्रतिदिन जाती है और कर्मचारी कचरा उठाते है.पर उसके बाद रहवासी लोग फिर से कचरा फेंक देते है जिसकी वजह से दिन भर वापिस गन्दगी का ढेर लग जाता है. रहवासी मंजू बताती है गाड़ी प्रतिदिन नहीं आती, जब आती है तो कभी कचरा ले जाती है. कभी नहीं ले जाती,जो गंदगी का कारण बनता है.

टूरिस्ट बस पर की गई चालानी कार्रवाई

प्रतिबंध के बावजूद भोपाल से वॉटरफॉल पर गए लोग

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 19 जुलाई. प्रतिबंध के बावजूद भोपाल से सीहोर जिले के बुधनी के अमरगढ़ वॉटरफॉल आए सैलानियों की टूरिस्ट बस पर चालानी कार्रवाई की गई. इसके साथ ही भोपाल से ही आए युवाओं की 5 बाइक शाहगंज पुलिस द्वारा जप्त कर चालानी कार्रवाई की गई. बुधनी एसडीएम दिनेश सिंह तोमर ने बताया कि भोपाल से बड़ी संख्या में पर्यटक सीहोर जिले के आमरगढ़ वाटरफॉल, दिंगबर वाटरफॉल, कालियादेव वाटरफॉल, बुधनी मिडघाट फॉरेस्ट एरिया, कोलार डैम, झोलियापुर बैराज आगमन होता है.

बीते वर्षों में हुई जन हानि को दृष्टिगत सीहोर कलेक्टर बालागुरु के. द्वारा संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए इन जोखिमपूर्ण स्थानों पर नागरिकों तथा सैलानियों का जाना प्रतिबंधित किया गया है. उन्होंने कहा है कि यह प्रतिबंध नागरिकों के जीवन की सुरक्षा के दृष्टिगत लगाया गया है. इन स्थानों पर नागरिकों को जाने से रोकने के लिए राजस्व, पुलिस, वन तथा ग्रामीण विकास शाहिद अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है.

मध्यप्रदेश विधानसभा में डिजिटल क्रांति

ई-विधान व्यवस्था से चलेगा शीतकालीन सत्र

- विधायकों ने लगाए 2000 ऑनलाइन प्रश्न
- कागज की खपत कम करने की पहल

भोपाल, 19 जुलाई. मध्य प्रदेश विधानसभा में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है. आगामी शीतकालीन सत्र से 'वन नेशन, वन प्लेटफॉर्म' के तहत ई-विधानसभा व्यवस्था को पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा.

इस नई प्रणाली से विधानसभा की कार्यवाही और अधिक पारदर्शी, सुगम व तकनीकी रूप से उन्नत हो जाएगी. इस बार 28 जुलाई से प्रारंभ होने वाले विधानसभा सत्र की तैयारियां जोरों पर हैं. इस बार विधायकों द्वारा कुल 3000 प्रश्न जमा किए गए हैं, जिनमें से 2000 प्रश्न ऑनलाइन माध्यम से पूछे गए हैं. यह पहल न केवल समय की बचत करेगी, बल्कि सदन की कार्यवाही को अधिक प्रभावी और डिजिटल रूप से सक्षम भी बनाएगी.

ई-विधान व्यवस्था के प्रभावी कियान्वयन के लिए विधानसभा के माननीय सदस्यों और स्टाफ को ऑनलाइन कार्यप्रणाली का विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा. उल्लेखनीय है कि विधायकों से पहले स्टाफ को इस प्रणाली का प्रशिक्षण मिलेगा.

विधायकों को मिलेंगे टैबलेट

फिलहाल, 230 विधायकों में से 90 विधायक टैबलेट के जरिए सदन की कार्यवाही में भाग लेते हैं. अब इस डिजिटल पहल को व्यापक बनाते हुए सभी विधायकों को टैबलेट आधारित प्रणाली से जोड़ा जाएगा, जिससे कागजी प्रक्रिया को न्यूनतम किया जा सके.

रेल प्रबंधक ने देखी सांची-विदिशा में व्यवस्थाएं

फाटकों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 19 जुलाई. पमरे भोपाल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी ने शनिवार को सांची, विदिशा स्टेशन का निरीक्षण किया.

त्रिपाठी ने निरीक्षण कर संरक्षा, आधारभूत ढांचे एवं यात्री सुविधाओं की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने समपार फाटक, जलभराव प्रभावित स्थल, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन स्टेशन परिसर एवं यार्ड संरचनाओं का सूक्ष्म अवलोकन किया. प्रथम चरण में समपार फाटक संख्या 255 पर पहुंचे त्रिपाठी ने फाटक की कार्यप्रणाली, सतर्कता मानकों एवं गेट संचालन की प्रणाली का अवलोकन किया. इस अवसर पर उन्होंने वहाँ ड्यूटी पर तैनात गेटमैन से संवाद कर ड्यूटी से जुड़ी संचालन व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की. इसके पश्चात उन्होंने लो हाइट सबवे (आरयूबी) संख्या 270 का भी निरीक्षण किया, जहां मानसून के दौरान जलभराव की शिकायतें सामने आई थीं. मंडल रेल प्रबंधक ने इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा कर जल निकासी की व्यवस्था को स्थायी रूप से सुधारने के उपायों पर मंथन किया एवं शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. निरीक्षण के अगले चरण में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे सांची रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया गया. त्रिपाठी ने निर्माणाधीन स्टेशन परिसर की प्रगति की समीक्षा की एवं यात्री सुविधाओं जैसे प्लेटफॉर्म, प्रतीक्षालय, शौचालय, बुकिंग काउंटर एवं अन्य संरचनाओं का निरीक्षण किया. उन्होंने निर्माण कार्यों को गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए.

विदिशा स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक ने संरक्षा पहलुओं का सूक्ष्म अवलोकन किया. उन्होंने यार्ड क्षेत्र में प्वाइंट, लाइन, ट्रैक एवं अन्य संरचनात्मक तत्वों की स्थिति की गहन समीक्षा की तथा संरक्षा मानकों के अनुपालन की पुष्टि की. निरीक्षण के दौरान ट्रैक अनुरक्षण से संबंधित तकनीकी दस्तावेजों, लॉगबुक एवं दैनिक निगरानी रिपोर्ट्स की भी जांच की गई. निरीक्षण के दौरान वरिष्ठ मंडल अभियंता (मध्य) के. के. निगम, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य) संजय मानोरिया सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे.

एक्शन : एकता नगर का चेंबर किया बंद

समय पर नहीं उठ रहा कचरा, लगा ढेर

नवभारत प्रतिनिधि

भोपल, 19 जुलाई. कोटरा मार्ग स्थित एकता नगर मार्केट वार्ड क्रमांक 28 में बीते दिनों नवभारत ने चेंबर से बह रहे गंदे पानी की खबर प्रकाशित की थी.

जिसके बाद अगले ही दिन नगर निगम सफाई कर्मचारियों की टीम वहां पहुंची और चैंबर को ठीक किया, जिससे सड़क पर बहने वाली गंदगी बंद हो गई. रहवासी अफजल ने बताया कि खबर छपने के दिन ही यह नगर निगम के कर्मचारी दिन में आये और उन्होंने त्वरित कार्य कर इसे ठीक किया.

फ़िलहाल हमें इसका स्थाई उपचार का इंतजार रहेगा जिससे बार बार यह समस्या न हो.

फिलहाल सड़क किनारे लगे कचरे का ढेर और मलबे को उठाने वाली गाड़ी न आने के कारण लोगों को समस्या हो रही है. जिसके सन्दर्भ में वार्ड दरोगा राजेश ने बताया कि कचरा और मलबा उठाने की गाड़ी प्रतिदिन जाती है और कचरे को उठाती है अगर कही गंदगी पाई जाती है, तो हम उसे जल्द से जल्द साफ करवा देंगे.

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में 100 को नियुक्ति पत्र

भोपाल. राजधानी भोपाल में स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में 100 से अधिक युवाओं को देश और विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों से नियुक्ति पत्र प्राप्त हुए. तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के प्रमुख सचिव विवेक पोरवाल ने छात्रों कोशुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसएसआरजीएसपी जैसी संस्थाएं प्रदेश के युवाओं को विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रही हैं.जो पूरे देश के लिए गर्व की बात है. यहां 100 से अधिक युवाओं को देश-विदेश की प्रतिष्ठित कंपनियों से नियुक्ति-पत्र प्राप्त हुए.

किसानों ने लावारिस गोवंश मंडी पहुंचाया

पटवारी ने उठाया किसानों और गोवंश की सुरक्षा का मुद्दा

भोपाल, 19 जुलाई. मंदसौर जिले के सुवासरा विधानसभा क्षेत्र में किसानों ने खेतों में नुकसान पहुंचा रहे सैकड़ों लावारिस गोवंशों को एकत्र कर कृषि उपज मंडी परिसर में पहुंचा दिया.

किसानों का कहना है कि गोवंश उनकी फसलों को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं. इस मामले पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि किसानों ने वह काम किया, जो सरकार को करना था. किसानों ने गायों के लिए चारे और पानी की व्यवस्था भी की.

पटवारी ने कहा कि यह मामला सिर्फ प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि किसानों की आजीविका और गोवंश की उपेक्षा का भी है. उन्होंने सरकार से मांग की कि क्षेत्र में गौशालाओं या संरक्षण केंद्रों की स्थापना की जाए, ताकि गोवंश सड़कों और खेतों में न भटकें. साथ ही किसानों की फसलों के नुकसान का त्वरित सर्वे कर मुआवजा दिए जाने की मांग भी उठाई.

पटवारी के मुताबिक, किसानों और गोवंश—दोनों की सुरक्षा जरूरी है. सरकार को इस मुद्दे पर संवेदनशील रवैया अपनाना चाहिए और जल्द ठोस कदम उठाने चाहिए.

भोपाल को नई ट्रेन की मिली सौगात

काचीगुड़ा-भगत की कोठी का आरकेएमपी पर ठहराव

भोपाल, 19 जुलाई. राजधानी भोपाल के यात्रियों के लिए भारतीय रेल ने एक नई सौगात दी है. यात्रियों की सुविधा को देखते हुए काचीगुड़ा-भगत की कोठी-काचीगुड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन का निर्णय लिया गया है.

इस ट्रेन का ठहराव रानी कमलापति रेलवे स्टेशन सहित राज्य के कई प्रमुख स्टेशनों पर होगा. ट्रेन की शुरुआत 19 जुलाई को शाम 5.30 बजे काचीगुड़ा से स्पेशल ट्रेन के रूप में हुई. यह ट्रेन 20 जुलाई से नियमित रूप से चलना शुरू करेगी. ट्रेन का ठहराव इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, संत हिरदाराम नगर, सीहोर, मक्सी, उज्जैन, रतलाम, जौरा, मंदसौर और नीमच में होगा. ट्रेन संख्या 17605 काचीगुड़ा से हर रात 11.50 बजे रवाना होगी, जो अगले दिन इटारसी रात 8:55 बजे, नर्मदापुरम 9.22 बजे और तीसरे दिन रानी कमलापति रात 12.25 बजे पहुंचेगी. इसके बाद संत हिरदाराम नगर, सीहोर होते हुए यह ट्रेन तीसरे दिन रात 8 बजे भगत की कोठी पहुंचेगी.

ट्रेन संख्या 17606 भगत की कोठी से 22 जुलाई से रोज रात 10.30 बजे रवाना होगी. यह ट्रेन दूसरे दिन संत हिरदाराम नगर शाम 4.30 बजे, रानी कमलापति 5.10 बजे, नर्मदापुरम 7.08 बजे और इटारसी 7.40 बजे पहुंचेगी.

सरकारी स्कूल की छत से टूटकर गिरा प्लास्टर

हादसे में छात्रा चोटिल, वीडियो आया सामने

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 19 जुलाई. राजधानी के एक शासकीय स्कूल में दोपहर बडा हादसा हो गया. क्लास में पढ़ाई के दौरान छत का प्लास्टर अचानक गिर जाने से एक छात्रा जख्मी हो गई.

शहर के बरखेड़ा क्षेत्र में संचालित शासकीय पीएम श्री महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्कूल में यह घटना घटित हुई. जिसका एक वीडियो भी सामने आया है. घटना की जानकारी देते हुए जिला शिक्षा अधिकारी नरेन्द्र अहिरवार ने बताया कि स्कूल के क्लासरूम में यह घटना अचानक हुई. जिसमें एक छात्रा को चोटें आई है. छात्रा को तुरंत ही चिकित्सा सुविधा मुहैया कराई गई. बच्ची को तीन

टांके आए है. उसके स्वास्थ्य को लेकर लगातार जानकारी ली गई है. स्कूल से मिली जानकारी के अनुसार कन्या स्कूल के सभी कमरों की पुताई और मेटेंनश का कार्य हाल ही में कराया गया है. कहीं से भी यह गुंजाइश नहीं थी कि इस तरह का हादसा हो सकता है. घटना के समय दोपहर को जब कक्षा संचालित थी और अध्यापिका बच्चों को पढ़ा रही थी. तभी यह घटना घटी जिससे अन्य छात्राएं सहम गई थी. बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर सभी क्षतिग्रस्त स्कूलों को आदेश हैं कि कक्षाएं अंदर नहीं लगेंगी.

अपराध लड़कियों से क्लबों में सप्लाई, फ्री ड्रग्स देकर जोड़ते थे युवा

ड्रग्स रैकेट का हुआ पर्दाफाश, 2 तस्कर गिरफ्तार

- चैन मार्केटिंग रणनीति से फैल रहा था नेटवर्क
- हर नया शिकार एक ग्राहक और वितरक बनता था
- डिप्रेशन की दवा के नाम पर नशे का आदी बनाया

भोपाल, 19 जुलाई. राजधानी में पुलिस ने एक बड़े ड्रग्स सप्लाई रैकेट का भंडाफोड़ किया है. इस नेटवर्क में लड़कियों के जरिए नशे की लत फैलाने की साजिश रची जा रही थी.

काइम ब्रांच ने इस मामले में दो तस्करों को गिरफ्तार किया है जिनमें एक पर 5000 का इनाम भी घोषित था. पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि तस्कर युवतियों के जरिए क्लबों और पार्टियों में फ्री ड्रग्स देकर युवाओं को अपने जाल में फंसाते थे. पहले वजन घटाने, फिर डिप्रेशन की दवा के नाम पर उन्हें नशे का आदी बना दिया जाता था. इसके बाद ये लोग खुद ड्रग्स फैलाने वाले नेटवर्क का हिस्सा बनते थे. ड्रग्स का यह नेटवर्क आधुनिक चैन मार्केटिंग की तर्ज पर तैयार किया गया था, जिसमें हर नया शिकार एक नया ग्राहक और वितरक बनता जा रहा था. युवाओं को ऊंची नौकरी, पार्टी और मोटी सैलरी का लालच देकर इस रैकेट में जोड़ा जाता था.

5 हजार का इनामी तस्कर सैफुद्दीन गिरफ्तार

काइम ब्रांच ने गोविंदपुरा इलाके से सैफुद्दीन और आशू उर्फ शाहरूख को गिरफ्तार किया है. सैफुद्दीन पर 5000 का इनाम था और वह लंबे समय से फरार चल रहा था. पुलिस ने आरोपियों के पास से 15 .14 ग्राम एमडी ड्रग्स और करीब 3 लाख का नशीला सामान बरामद किया है. गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है.

डेंगू नियंत्रण को लेकर सीएमएचओ ने की समीक्षा बैठक

भोपाल. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा ने शनिवार को वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की समीक्षा की. डॉ. मनीष ने शहर के समस्त 21 जोन लार्वा सर्वे एवं स्लाइड कलेक्शन की समीक्षा की. उन्होंने इस मौके पर कहा कि जुलाई से अक्टूबर के मध्य डेंगू के प्रकरण देखे जाते हैं. अत: सयुंक्त लार्वा सर्वे अभियान नगर निगम के साथ समन्वय कर चलाया जाए. शर्मा ने कहा कि इस मौसम में उलटी दस्त, बुखार क मरीज़ो मे भी वृद्धि होती हैं. इसके लिए अवश्य क दवाए समस्त स्वास्थ्य संथाओ पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित की जाए.

संत वैराग्यानंद ने दोनों संतों पर लगाया गंभीर आरोप

नवभारत रिपोर्टर

भोपाल, 19 जुलाई. पंचायती निरंजनी अखाड़ा के महा मंडलेश्वर स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज उर्फ मिर्ची बाबा ने दो संतो पर गंभीर आरोप लगाया है. शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मांग करते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग उन्होंने की है.

वैराग्यानंद ने स्वामी परमानंद गिरी महाराज और उनके शिष्य ज्योतिर्मयानंद गिरी महाराज की गतिविधियों की सीबीआई अथवा एसआईटी से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है. स्वामी वैराग्यानंद गिरी महाराज ने पत्र में लिखा है स्वामी परमानंद गिरी महाराज ने एक संन्यासी होते हुए भी पारिवारिक वंश परंपरा को बढ़ावा देते हुए अपने परिजनों और शिष्यों को महत्वपूर्ण पदों पर बैठाया है, जो सनातन संन्यास परंपरा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है. पत्र में आशंका जताई गई है कि कई साधुओं की असामयिक और रहस्यमयी मृत्यु के पीछे इन दोनों व्यक्तियों की संदिग्ध भूमिका हो सकती है. कहा गया है कि तांत्रिक क्रियाओं, विशेषकर मारण प्रयोग, के माध्यम से विरोधी संतों को मानसिक और आध्यात्मिक क्षति पहुंचाई जा रही है.